स्वयंसेविकाओं ने गांव में निकाली स्वच्छता रैली

करनाल, 29 सितम्बर (ब्यूरो): राजकीय महिला महाविद्यालय बस्ताड़ा में एन.एस.एस. इकाई के तत्वावधान में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरूआत एन.एस.एस. लक्ष्य गीत से की गई। कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. नरेश सिंह ने स्वयंसेविकाओं का उत्साहवर्धन किया।

महाविद्यालय के स्टाफ के साथ स्वयंसेविकाएं।

उन्होंने कहा कि प्लास्टिक का कम से कम प्रयोग करने के लिए लोगों को जागृत करें ताकि पर्यावरण स्वच्छ रहे। बस्ताड़ा गांव में एन.एस.एस. स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता रैली निकाली। स्वयंसेविकाओं ने नुक्कड़ नाटिका के माध्यम से ग्राम वासियों को स्वच्छता का संदेश दिया। स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण के लिए जागरूक किया।

स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत स्वयंसेविकाओं ने अपशिष्ट प्रबंधन के तहत विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का निर्माण करके अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अंग्रेजी प्रवक्ता डा.. श्रुति, अर्थशास्त्र प्रवक्ता डा. मीनू आनंद व वाणिज्य प्रवक्ता डा. मीतू चावला आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान' के तहत लगा एनएसएस का एक दिवसीय शिविर

तहलका जज्बा/ संवाददाता

घरौंडा। राजकीय महिला महाविद्यालय (बस्ताड़ा)घरौंडा में एनएसएस इकाई के तत्वाधान और कार्यक्रम अधिकारी अनुराधा के नेतृत्व में 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' के अंतर्गत एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आरंभ एनएसएस लक्ष्य गीत के द्वारा किया गया। कार्यवाहक प्राचार्य

प्रो. नरेश सिंह ने स्वयं सेविकाओं का उत्साह वर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में छात्राओं को कहा कि प्लास्टिक का कम से कम प्रयोग करने के लिए ग्राम वासियों को जागृत करें ताकि हमारा पर्यावरण स्वच्छ रहे और भविष्य में पर्यावरण से संबंधित विभिन्न समस्याओं का सामना न करना पड़े। इसके अंतर्गत गांव बस्ताडा में एनएसएस स्वयंसेविकाओं के द्वारा स्वच्छता रैली निकाली गई तथा स्वयं सेविकाओं ने नुक्कड़ नाटिका के माध्यम से ग्राम वासियों को स्वच्छता का संदेश दिया। जिसके द्वारा स्वयं सेविकाओं ने स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण के लिए जागरूक किया। इसके माध्यम से स्वयं सेविकाओं ने यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है अपितु यह प्रत्येक व्यक्ति से जुड़ी हुई है। अतः हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाएं। ताकि एक स्वस्थ समाज और देश का निर्माण हो सके। स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत स्वयं सेविकाओं ने अपशिष्ट प्रबंधन के तहत विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का निर्माण करके अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अंग्रेजी प्रवक्ता डॉ. श्रुति, अर्थशास्त्र प्रवक्ता डॉ.मीनू, आनंद तथा वाणिज्य प्रवक्ता डॉ. मीतू चावला विशेष रूप से उपस्थित रहे।